अखिल भारतीय सेवाऐं (राजस्थान) पेंशनर्स एसोसियेशन

वार्षिक साधरण सभा दिनांक 20.11.2021

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

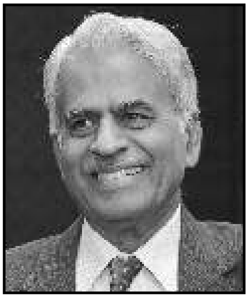

आप सब का इस वार्षिक साधारण सभा में स्वागत है। बीता हुआ समय हम सब के लिए बहुत विकट रहा है। हालाँकि हम आपस में नहीं मिल पाए और जो जनवरी में स्नेह मिलन हम करते थे वो भी आयोजित नहीं हो सका। 'संपर्क' निकलने में भी विलंब हुआ। फिर भी आप सब के और कार्यकारिणी के सदस्यों के सहयोग से अपने एसोसिएशन की गतिविधियाँ चलाना संभव हो सका है।

इस महामारी के कारण बच्चे स्कूल नहीं आ पा रहे थे। पिछले वर्षों में जिन कच्ची बस्ती के स्कूलों को हमने सहायता दी थी उनके बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके उसके लिए एसोसिएशन ने tablets बच्चों को बांटी जिससे वो अपनी पढ़ाई online कर सकें। इस वर्ष भी एक प्राथमिक विद्यालय को उसकी आवश्यकता अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर का सामान दिया गया। साथ ही on-line पढ़ाई के लिए tablets का वितरण किया गया। इन सब पर हुए पूरे व्यय को श्री सी.बी. शर्मा जी ने अपनी बद्री प्रसाद महर्षि ट्रस्ट से उठाया इसके लिए हम उनके आभारी हैं। गत वर्षों में भी उनका बहुत सहयोग रहा है। इसके अतिरिक्त Microfinance से सहायता के लिए श्री नरेंद्र सिसोदिया जी के, गीता मित्तल फाउंडेशन से सहायता के लिये श्री इन्दरजित खन्ना साहब के भी आभारी हैं। खन्ना साहब ने इन स्कूलों की शिक्षकों की tablets के उपयोग करने का प्रशिक्षण की भी व्यवस्था करी।

कच्ची बस्ती के इन सभी स्कूलों के बच्चों को PVC की 1000 जोड़ी चप्पलों का वितरण किया गया। यह श्री राजेंद्र भाणावत जी के प्रयास से श्री Lorenzo Verrucci ने अपनी संस्था Finproject India Pvt. Ltd. से उपलब्ध करायी। हम इन दोनों के आभारी हैं।

इस अवधि में हम नहीं मिल पाए पर 'जिज्ञासा' के अंतर्गत व्याख्यान माला नियमित रूप से चलती रही। Online व्याख्यान होने का एक ये भी लाभ रहा की जयपुर के बाहर स्थित कई गणमान्य वक्ताओं को हम सुन सके। हमारे कई सदस्य और अन्य लोग जो जयपुर के बाहर रहते हैं वे भी इसमें शामिल हो सके। विशेषज्ञों के व्याख्यान हर माह नियमित रूप से कराने के लिए मैं श्री सिसोदिया जी को धन्यवाद देता हूँ।

आप सब जानते हैं कि राज्य सरकार ने CGHS की भांति RGHS शुरू करी है। RGHS में रजिस्टर करने की प्रक्रिया बहुत जटिल है। इसको सरल करने के लिए मैंने दो अर्ध शासकीय पत्र मुख्य सचिव महोदय को लिखे और उनसे बात भी करी पर कुछ सरलीकरण नहीं हुआ। अपने सदस्यों के RGHS कार्ड बनवाने के लिए जो प्रयास किये गए उनके बारे में श्री बिस्सा जी बताएँगे।

आप जानते होंगे जब ये महामारी शुरू हुई तो इससे निबटने के लिए हमारे एसोसिएशन ने 5 लाख रुपये राजस्थान मुख्य मंत्री सहायता कोश में दिए। जब दूसरी लहर इस महामारी की आई तो फिर एसोसिएशन ने 5 लाख रुपये दिए। इस प्रकार इस विकट महामारी से लड़ने के लिए 10 लाख रुपये का हमारा छोटा सा योगदान रहा। मैं उन सब सदस्यों का आभारी हूँ जिन्हों ने मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए अपना योगदान दिया।

ये सब गतिविधियाँ आप सब के सहयोग से ही संभव हो सकी हैं। हमारे सचिव श्री बिस्सा जी और कोषाध्यक्ष श्री देराश्री जी की इन सब में विशेष भूमिका रही है। हमारे कार्पस फण्ड की आय और आप सब के समय समय पर दिए गए कॉन्ट्रिब्यूशन से ही इन गति विधियों हम को चला सके हैं। मुझे विश्वास है कि आप सब का सहयोग मिलता रहेगा तो हम और आगे बढ़ते रहेंगे।

मुझे पूरी आशा है आगे स्थिति सुधर जाएगी और हम अगले वर्ष स्नेह मिलन कर सकेंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि 'संपर्क' भी समय पर निकल सके।

आप सब को शुभकामनाएं। बहुत बहुत धन्यवाद।

अरुण कुमार,
आई.ए.एस. (से.नि.)
अध्यक्ष

शुचेरपि हि युक्तस्य, दोष एवं निपात्यते
मुनेरपि वनस्थस्य, स्वानि कर्माणि कुर्वतः
उत्पाघन्ते त्रयोपक्षा, मित्रोदासीन शत्रयः

योग में लगे हुए अपने ही कर्मों को करने वाले और वन में रहने वाले पवित्रात्मा मुनियों पर भी दोषारोपण हो जाता है। व्यक्ति कहीं भी रहे कुछ भी करें वहीं उसके कुछ मित्र कुछ उदासीन और कुछ लोग शत्रु बन ही जाते हैं। अतः प्रत्येक कर्मशील मनुष्य को चिन्हित कर्म एवं राजधर्म का पालन करते हुए प्राप्त होने वाले दोषारोपण, उसके फलस्वरूप बनने वाले शत्रु-मित्र की चिन्ता छोड़ कर निर्लिप्त भाव से कर्तव्य पर आरूढ़ रहना चाहिए।